1072 Sale deed of Basawi Holding p.s. 924 **5000Rs.**

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

Fee paid
A(i) 4830=00
N(9) 45=00
4875=00

Stamp 19,400/-

[illegible] ४२ के [illegible]
[illegible] स्टाम्प [illegible]
[illegible] स्टाम्प [illegible]) १८९९
की अनुसूची १ या १ (क)
सं० .... के अधीन
यथोचित स्टाम्प शुल्कित (या स्टाम्प
शुल्क से विमुक्त या स्टाम्प शुल्क
[illegible] नहीं ।)

....

निबंधन पदाधिकारी

21/9/04

1. नाम लेख्यकारी, पिता का नाम वो निवास स्थान आदि (बिक्रेता)	श्री काशीनाथ शील, पिता - स्व० चन्द्र मोहन शील, जाति - तान्तुबाई, पेशा - अवकाश प्राप्त सरकारी सेवक, साकिन - ग्रान्ट इस्टेट, दुमका, थाना - दुमका टाउन, सवडिविजन वो निबंधन कार्यालय - दुमका, जिला - दुमका, भारतीय नागरिक ।

Kashinath Shil
Grant Estate
Dumka
21.9.04

No-100 / 17-09-2004

18075/= Registration Sarkari Bill [illegible]

ARCHANA GHOSH
W/o SRI Gopal Ch. GHOSH
RASIKPUR DUMKA

5000X2=10000
300X22 6000
200X1= 200
75X1= 75
18075

(stamp: दुमका कोषागार (बज गृह) व निर्ग 28 JUN 2004)

अर्चना घोष
पति श्री गोपाल चन्द्र घोष
निवासी रसीकपुर
पेशा गृहकार्य दुमका दावेदार या
अथवा ... द्वारा
प्रमाणित मुख्तारनामा ... संख्या ...
200 ... के अधीन ... का अधिकारी ... एक
श्री ... के प्राधिकारी
(अटर्नी) है ने ता० ... 21-9-04 (200...) ... के
पूर्वाह्न / अपराह्न में ... 10-1 ...
निबंधन कार्यालय में (... दुमका स्थान पर)
निबंधन के लिए पेश किया ।

Archana Ghosh.
21.9.04

उपस्थापक का हस्ताक्षर

जिला अवर निबंधक दुमका

निबंधन पदाधिकारी का हस्ताक्षर

उपर्युक्त श्री ... काशिनाथ शील
... ने
जिनकी पहचान ... अमिताभ शील
पिता का नाम ... काशिनाथ शील
ग्राम ... रसिकपुर
पेशा ... की, स्वीकारा
कि उन्होंने दस्तावेज निष्पादित की
है ।

जिला अवर निबंधक

88 / 7 / 2004

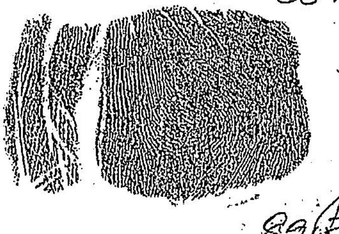

Kashinath Seal
21. 9. 2004.

89 / 7 / 2004 Amitava Seal
21.9.04

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

2. नाम लेख्यधारिणी, पति का नाम वो निवास स्थान आदि (क्रेता)	श्रीमती अर्चणा घोष, पति - श्री गोपाल चन्द्र घोष, जाति - तामोली, पेशा - व्यवसाय, साकिन - रसिकपुर, तालुक - घाट रसिकपुर, थाना - दुमका टाउन, सवडिविजन वो निबंधन कार्यालय - दुमका, जिला - दुमका, भारतीय नागरिक।
3. लेख्य प्रकार	बिक्रय-पत्र (Sale Deed)

3000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

३००० रु. सत्यमेव जयते भारत Rs. 3000

तीन हज़ार रुपये THREE THOUSAND RUPEES

4. बिक्रीत सम्पत्ति का मूल्य	मो0 4,83,000/- रु0 (चार लाख तेरासी हजार रुपये मात्र)
5. सम्पत्ति का पूर्ण विवरण, जिसे विक्रय करते हैं	तफसील हक बसौड़ी स्वत्व की जमीन पर बना पुराना मकान भग्नावस्था में, मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि अन्दर मौजा दुमका टाउन नम्बर - 7 तालुक - घाट दुमका, थाना - दुमका टाउन, सवडिविजन वो जिला - दुमका का तौजी नं0 - 6 बसौड़ी का जमाबन्दी नं0 - 32/22 दुमका

Keshi Sah 21.9.2004

3000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

३००० रु.   Rs 3000

सत्यमेव जयते

भारत

तीन हजार रुपये   THREE THOUSAND RUPEES

(4)

नगरपालिका, वार्ड नं0 - 16, होल्डिंग न0 - 203, जिसका दो फरद ट्रेश मानचित्र शामिल दस्तावेज में संलग्न है, जिसमें बिक्रित सम्पत्ति को लाल रंग से दर्शाया गया है। दाग नम्बर चौहद्दी वो रकवा निम्न प्रकार है :-

दाग नम्बर	चौहद्दी		किस्म	बीघा-कट्ठा-धूर
1997 (अंश)	उत्तर	रास्ता।	इसी चौहद्दी के अन्दर बसौड़ी स्वत्व की जमीन पर बना मकान भग्नावस्था में, मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि रकवा मवाजी	00-04-06
	दक्षिण	गली बाद अनिल कुमार मंडल वगैरह का मकान		
	पूरब	गली बाद अरूण कुमार मोर वगैरह का मकान।		
	पश्चिम	रास्ता बाद सिविल सर्जन कम्पाउण्ड		

चार कट्ठा, छः धूर मात्र

सलाना खजाना मोताबिक रसीदी।

Vashindri 27.9.2004

2000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु. Rs. 2000

सत्यमेव जयते

भारत

दो हजार रुपये TWO THOUSAND RUPEES

(5)

विदित हो कि उपरोक्त सम्पत्ति लेख्यकारी द्वारा स्वोपार्जित खरीदगी सम्पत्ति है, जिसे लेख्यकारी ने ब-जरिये बिक्रय-पत्र संख्या - 154, जिल्द संख्या - 3 पृष्ठ संख्या - 74 से 75 सन् 1950 ई0, जिसकी रजिस्ट्री दुमका निबंधन कार्यालय में हुई है, के द्वारा अपने नाम से क्रय कर तथा अंचल कार्यालय दुमका में अपना नाम दाखिल-खारिज कराकर साल ब साल खजाना अपने नाम से देते हुए वसूली का रसीद अपने नाम से प्राप्त करते आ रहे हैं। उपरोक्त सम्पत्ति पर लेख्यकारी का दखल-कब्जा निर्विवाद रूप से

75 Rs.

चहत्तर रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

SEVENTY FIVE RUPEES

75 रू.

75 Rs.

Kashinath Seal 21.9.2004

है। यह सम्पत्ति बसौड़ी है तथा इसे बिक्रय करने का लेख्यकारी को सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त है।

वर्तमान में लेख्यकारी को अन्यत्र अपना मकान निर्माण करने वो कुछ सांसारिक खर्च के लिए रुपये का सख्त दरकार है, वो बिना बिक्रय किए उपरोक्त बसौड़ी जमीन वो मकान के रुपये का मिलना कठिन है। इसलिए लेख्यकारी ने अपनी उपरोक्त खाना नम्बर पाँच में वर्णित सम्पत्ति को बिक्रय करने का शोहरत किया, जिसे आप क्रेता श्रीमती अर्चना घोष ने देखा वो मो0 4,83,000/- रु0 (चार

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(7)

लाख तेरासी हजार रुपये) मात्र में उपरोक्त सम्पत्ति को क्रय करने की इच्छा आप बिक्रीदार पर प्रकट किया। यह मूल्य आजकल के बाजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया वो उपायुक्त महोदय, दुमका के द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के आधार पर भी यह मूल्य वाजिब वो सही है। इसलिए लेख्यकारी आज अपनी खुशी-राजी, बिना कोई दबाव वो बहकाव किसी अन्य के अपने स्वस्थ शरीर वो स्वच्छन्द मस्तिष्क की दशा में होकर वो रहकर तथा उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय मूल्य मो0 4,00,000/- रु0 (चार लाख

100Rs.

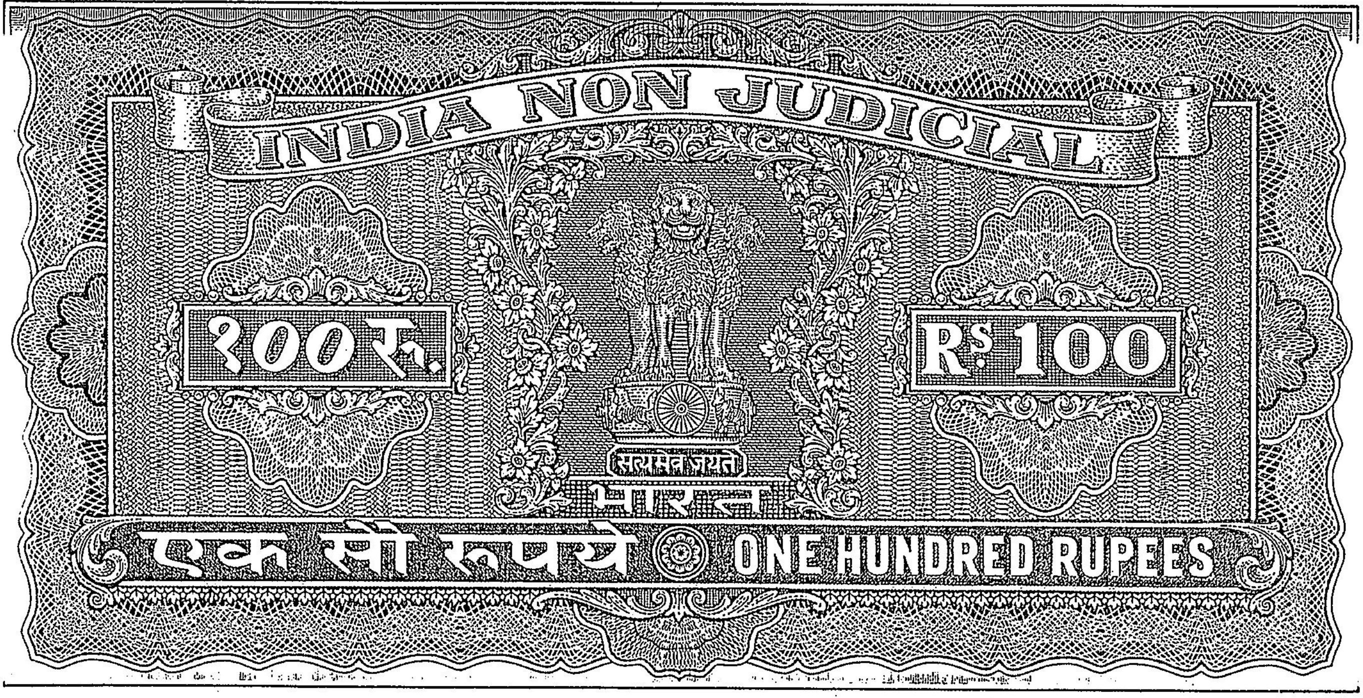

रुपये) आप क्रेता श्रीमती अर्चणा घोष ~~को~~ से भारतीय स्टेट बैंक, दुमका शाखा का बैंक चेक संख्या BC 00/680-900833 दिनांक 17.9.2004 एवं 83,000/- रु0 (तेरासी हजार रुपये) नगद निबंधन पदाधिकारी के समक्ष प्राप्त कर उपरोक्त खाना नम्बर पाँच में वर्णित सम्पत्ति को श्रीमती अर्चणा घोष के हाथ बिक्रय कर ठीक अपने तुल्य अधिकार करा दिया।

उपरोक्त सम्पत्ति हर तरह के ऋण-भार से मुक्त है, फिर भी भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का प्राचीण या हाल का

100Rs

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.   Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये   ONE HUNDRED RUPEES

ऋण-भार पाया जाय, जिससे क्रेता महोदया मय वारिसान को उपरोक्त सम्पत्ति से या इसके किसी अंश से बेदखल होना पड़े, ऐसी हालत में मैं बिक्रेता मय वारिसान करने वापस कुल जरसमन केवाला, मय खरचा, हर्जाना वो सूद बनिर्ख बाजार के हैं, होंगे वो रहेंगे। आज तक उपरोक्त सम्पत्ति पर लेख्यकारी को जिस तरह का स्वत्व वो स्वामित्व प्राप्त था अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता, वो कुल आज की तारीख से आप क्रेता अर्चणा घोष को प्राप्त हो गया।

अब चाहिए कि क्रेता महोदया उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर

75 Rs.

सरकारी सिरिस्ते तथा नगरपालिका में प्रचलित नाम कटवाकर खुद का नाम दर्ज करा लेवें वो साल ब साल सिरिस्ते में खजाना अपने नाम से देकर वसूली का रसीद अपने नाम से हासिल किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग-दखल, दान-बिक्रय वो हस्तान्तरण अपनी इच्छानुसार जो चाहें करें, इसमें हम लेख्यकारी मय वारिसान को किसी तरह की उजुर आपत्ति नहीं होगी । अगर कोई आपत्ति करे या करेंगे तो आपत्ति न्यायालय में अमान्य वो वातिल होगी ।

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रु. FIFTY RUPEES 50Rs

(11)

यह सब एकरार कर, बिक्री की गई सम्पत्ति दखल व हक क्रेता श्रीमती अर्चना घोष, पति - श्री गोपाल चन्द्र घोष को देकर यह बिक्रय पत्र व हक श्रीमती अर्चणा घोष, पति - श्री गोपाल घोष के तहरीर वो तामिल कर दिया, जो वक्त पर काम आवे ।

इति आज तारीख 21.09.2004 ई0 ।

इस दस्तावेज की प्रथम प्रति एवं द्वितीयक प्रति एक-दूसरे की हू-ब-हू सच्ची प्रतिलिपि है ।

कातिब दस्तावेज :- सुमेश्वर नाथ सिंह साकिन दुमका टाउन, दस्तावेज का मजमुन तैयार किया, टंकित कराने के बाद पढ़कर लेख्यकारी को सुना वो समझा दिया।

सुमेश्वर
21/9/04

SKETCH MAP OF PLOT NO. 1997 (PART), J.B. No. 32/22, MOUZA DUMKA TOWN No. 7 IN WARD No. 16 (OLD No. 7), HOLDING No. 203 OF DUMKA MUNICIPALITY PURCHASED BY SMT. ARCHANA GHOSH W/O SRI GOPAL CHANDRA GHOSH OF RASIKPUR, P.O. DUMKA, P.S. DUMKA, DIST. DUMKA FROM SRI KASHINATH SEAL S/O LATE CHANDRA MOHAN SEAL OF MOHALLA GRANT ESTATE, P.O. DUMKA, P.S. DUMKA, DIST. DUMKA.

SCALE 1" = 20'-0"

AREA = 4 K - 6 Dhur

LAND SHOWN IN RED

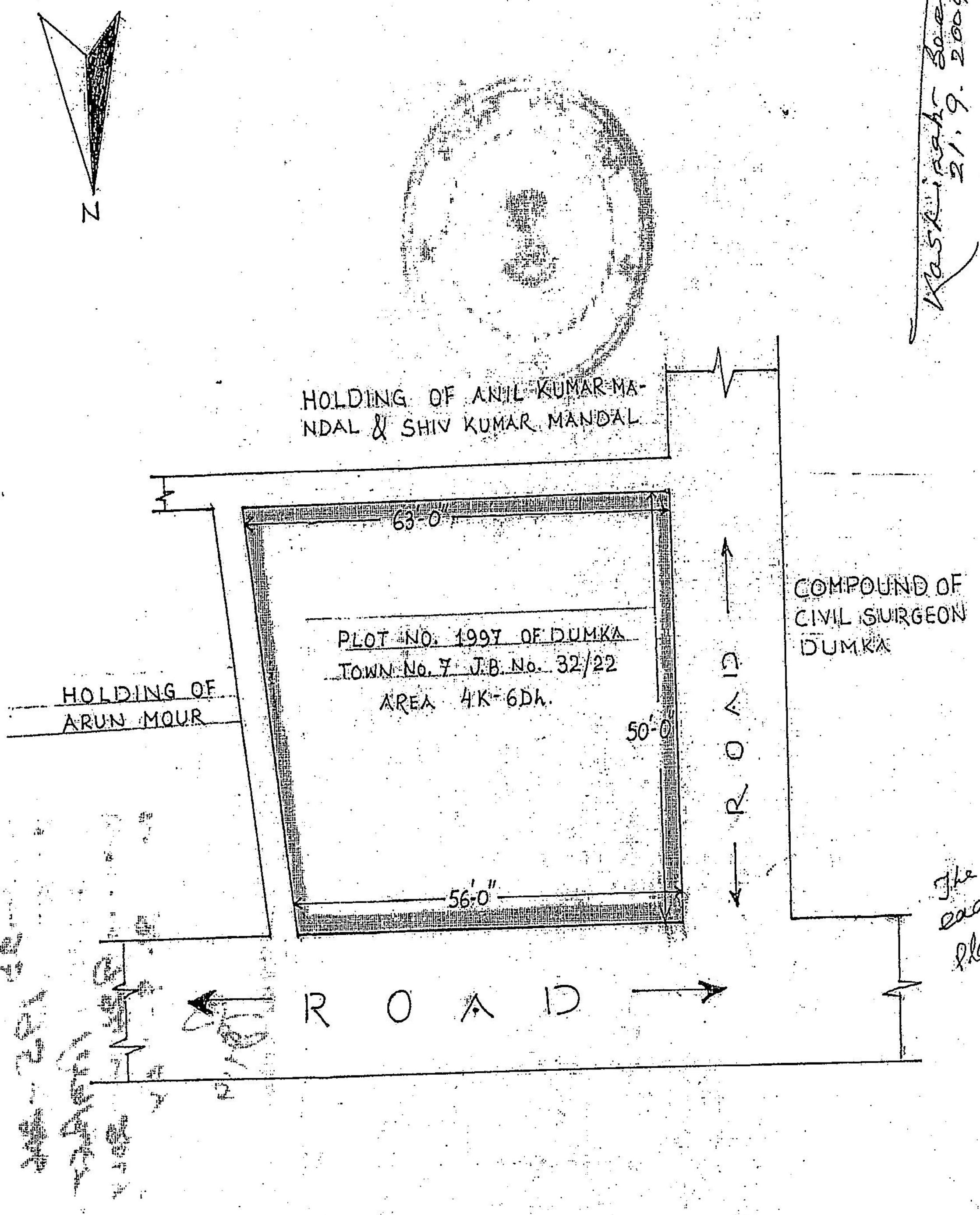

Kashinath Seal
21.9.2004

The Plan is true and exact copy of original plan.

Manoj Kumar
29/09/04

Manoj Kumar
(Civil Engg.)
DUMKA.